कक्षा - XII A अर्थशास्त्र

"व्यष्टि अर्थशास्त्र"

अध्याय - 2

"उपभोक्ता के व्यवहार का सिद्धान्त"

उपभोक्ता - जब एक व्यक्ति अपनी आवश्यकता को संतुष्ट करने के लिए दी हुयी कीमत पर वस्तु खरीदता है तो वह व्यक्ति उपभोक्ता कहलाता है।

बजट - उपभोक्ता के पास वस्तुएं क्रय करने के लिए निश्चित संसाधन / धनराशि होती है, जिन्हें वह वस्तुएं खरीदने के लिए व्यय करता है। बजट या आय या money कहते है। जिसे m से प्रदर्शित करते है।

उपभोक्ता का बजट - हरेक उपभोक्ता के पास दी हुयी कीमत पर वस्तुओं को क्रय करने के लिए धनराशि या बजट होता है, जिसे उपभोक्ता का बजट कहते है। उपभोक्ता अपने बजट से अधिक व्यय नहीं कर सकता है।

बजट रेखा - बजट रेखा वह रेखा होती है जो उन संयोगों से निर्मित होती है, जिनपर उपभोक्ता अपनी समस्त आय व्यय करता है। बजट रेखा को कीमत रेखा भी कहते है।

बजट रेखा का सूत्र - $p_1x_1 + p_2x_2 \leq m$

p_1 = पहली वस्तु की कीमत
p_2 = दूसरी वस्तु की कीमत
x_1 = पहली वस्तु की मात्रा
x_2 = दूसरी वस्तु की मात्रा
m = उपलब्ध आय

बजट रेखा चित्र –

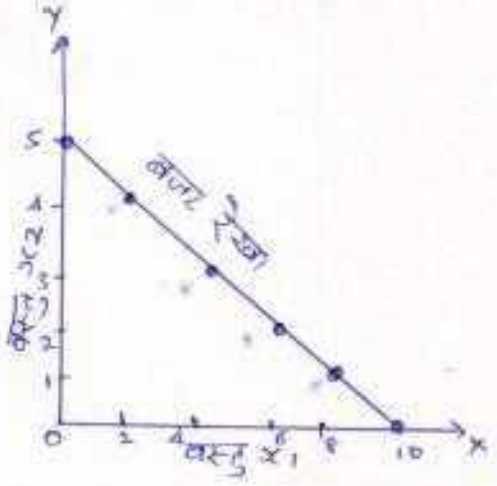

माना उपभोक्ता के पास ₹ 500 है। जिनसे वह x_1 तथा x_2 वस्तुओं के विभिन्न संयोग क्रय करता है। जहाँ वस्तु x_1 की कीमत ₹ 50.00 तथा x_2 की कीमत ₹ 100 है।

तालिका: क्रय बण्डल संयोग

संयोग बिंदु	वस्तु x_1 की मात्रा	वस्तु x_2 की मात्रा
A	0	5
B	2	4
C	4	3
D	6	2
E	8	1
F	10	0

नोट: बजट रेखा की ढाल / प्रवणता ऋणात्मक (-) होती है। अर्थात बांए से दांए झुकी होती है। क्योंकि उपभोक्ता यदि संयोग A के (0,5) के स्थान पर संयोग B, (2,4) खरीदना चाहता है तो पहली वस्तु की 0 (शून्य) मात्रा को बढ़ाकर 2 मात्रा करने के लिए उसे दूसरी मात्रा 5 के स्थान पर 4 मात्रा को घटाना पड़ेगा। उपभोक्ता के पास सीमित आय / संसाधन है। जिनसे वह संयोग A, B, C, D, E, F में कोई एक ही खरीद सकता है।

बजट रेखा की ढाल सूत्र – $\frac{P_1}{P_2}$

P_1 - पहली वस्तु की कीमत
P_2 - दूसरी वस्तु की कीमत

बजट सेट – सेट अर्थात दो वस्तुओं के बंडल को बजट सेट कहते है। जिन्हें उपभोक्ता अपने पास उपलब्ध आय से खरीद सकता है। ये सेट दी हुयी कीमत पर अनेक प्रकार के हो सकते है। उदाहरण -

उपभोक्ता के पास २० रुपये है। जिनसे वह वस्तु x_1 और x_2 के सेट कीमत क्रमश ५ रुपये, ५ रुपये में खरीदता है। तो उपभोक्ता के पास उपलब्ध बंडल है। (0,0), (0,1), (1,0), (2,0), (0,2), (0,3), (3,0), (0,4), (4,0), (1,1) (1,2) (2,1), (1,3) (3,1), (2,2)

उपरोक्त सेट में उपभोक्ता (4,0), (0,4), (3,1), (1,3), (2,2) बंडलों में अपनी समस्त आय २० रुपये व्यय कर रहा है। $p_1x_1 + p_2x_2 \leq m$ के अनुसार

उदा० (4,0) $5 \times 4 + 5 \times 0 \leq 20$

$20 + 0 = 20$ रुपये व्यय

(2,2) $5 \times 2 + 5 \times 2 \leq 20$

$10 + 10 \leq 20$ रुपये व्यय

बजट सेट में बदलाव

जब उपभोक्ता की आय तथा दोनों वस्तुओं की कीमत में परिवर्तन होता है तो बजट सेट में भी बदलाव हो जाता है।

(A) उपभोक्ता के आय में परिवर्तन – माना उपभोक्ता की आय m से बदल कर m' हो जाती है परन्तु दोनों वस्तुओं की कीमत पूर्ववत रहती है। नयी आय होने पर उपभोक्ता सभी (x_1, x_2) बण्डल खरीद सकता है।

बजट रेखा समी॰ $p_1x_1 + p_2x_2 \leq m$ आय परिवर्तित होने पर $p_1x_1 + p_2x_2 \leq m'$ होगी।

① आय बढ़ने पर उपभोक्ता विद्यमान कीमतों पर अधिक वस्तुएं खरीद सकता है।

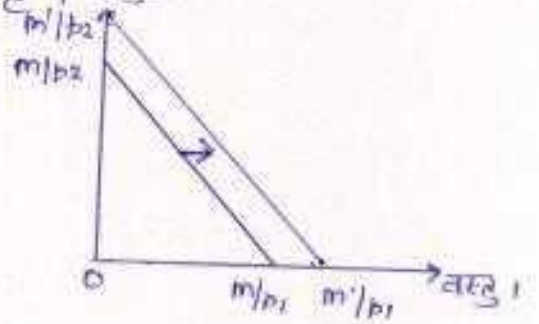

② आय घटने पर उपभोक्ता विद्यमान कीमतों पर कम वस्तुएं खरीदता है।

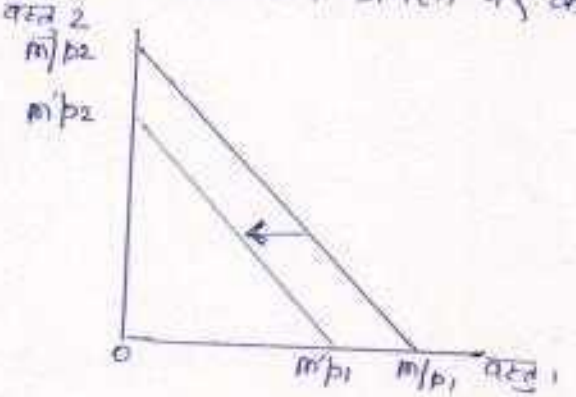

(B) <u>वस्तुओं की कीमत परिवर्तित होने पर</u> —

यदि वस्तुओं की कीमत में परिवर्तन होता है परन्तु उपभोक्ता की आय पूर्ववत रहती है, तो क्रय बंडलों के सेट में परिवर्तन हो जाता है।

यदि पहली वस्तु की कीमत घटती है $p_1' < p_1$ तो बजट रेखा अधिक सपाट हो जाती है।

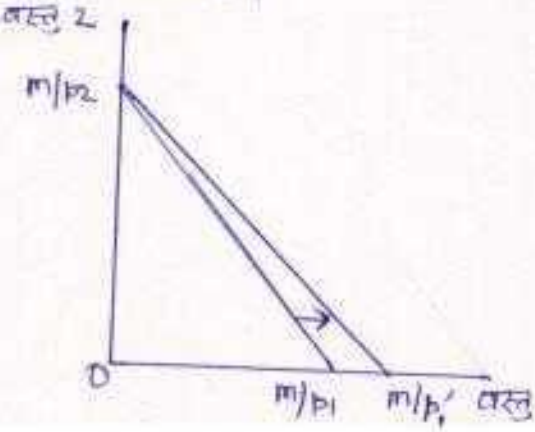

यदि पहली वस्तु की कीमत बढ़ती है तो बजट रेखा अधिक प्रवण (खड़ी ढाल) हो जाती है। अर्थात $p_1' > p_1$

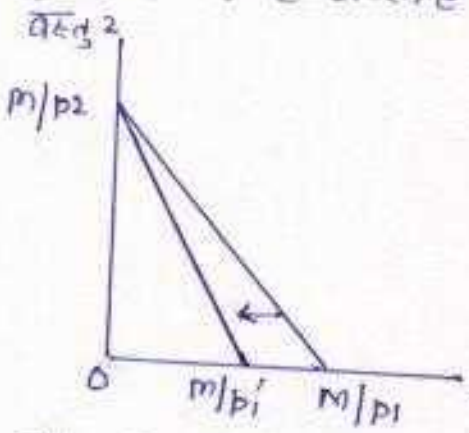

वस्तु 2 की कीमत में परिवर्तन होने पर वस्तु 1 तथा आय m में परिवर्तन ना होने पर बजट सेट में उपरोक्त प्रकार से परिवर्तन होगा।

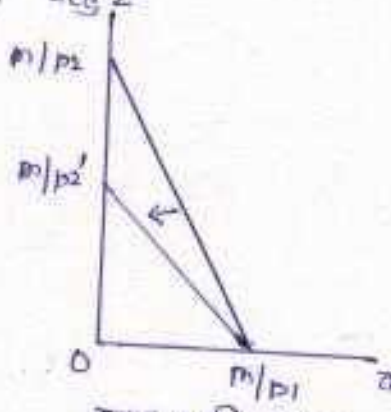

वस्तु 2 की कीमत बढ़ने पर

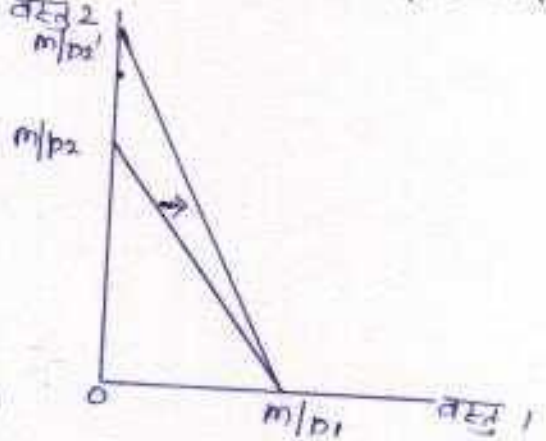

वस्तु 2 की कीमत घटने पर

महत्वपूर्ण प्रश्न -

(1) बजट रेखा क्या है?

(2) बजट रेखा की प्रवणता का सूत्र बताएं?

(3) बजट किसे कहते हैं?

(4) यदि उपभोक्ता की आय में वृद्धि हो तो वस्तु x तथा वस्तु y के बण्डल/संयोग/सेट में क्या परिवर्तन होगा?

(5) बजट रेखा की प्रवणता (ढाल) नीचे की ओर क्यों होती है?

श्रीमती कमलेश बिष्ट
प्रवक्ता - अर्थशास्त्र
बी० एल० एस० रा० बा० इ० का